

तेरे दरबार जगदम्बे मैं आशा लेकर आया हूँ

तेरे दरबार जगदम्बे मैं आशा लेकर आया हूँ,
नहीं सुनता जिसे कोई सुनाने तुझको आया हूँ,
तेरे दरबार जगदम्बे मैं.....

नहीं है पास कुछ मेरे जो मैं तेरी नजर कर दूँ,
मगर इक आंसूओ का मैं पिरोकर हार लाया हूँ,
तेरे दरबार जगदम्बे मैं.....

मेरी आशा की दुनिया मे अन्धेरा ही अन्धेरा है,
जगा दो आशा का दीपक तम्मना ले कर आया हूँ,
तेरे दरबार जगदम्बे मैं.....

मैं खाकर ठोकरे जग की हूँ आया दर तेरे मैया,
बचा लो मुझको दुनिया से बहुत ही मैं सताया हूँ,
तेरे दरबार जगदम्बे मैं आशा लेकर आया हूँ,
नहीं सुनता जिसे कोई सुनाने तुझको आया हूँ,
तेरे दरबार जगदम्बे मैं.....

<https://visualasterisk.com/bhajan/lyrics/id/23248/title/tere-darbaar-jagdambey-main-aasha-lekar-aaya-hu>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |